विश्व पर्यावरण दिवस

05 जून 2018

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य)

भोपाल

कार्यालय द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

क्रमांक	दिनांक	कार्यक्रम विवरण
01	05.05.2018	आई.ई.एस. पब्लिक स्कूल के साथ प्लास्टिक प्रदूषण जनजागरूकता संबंधी कार्यक्रम व पर्यावरणीय क्विज
02	09.05.2018	वन प्रबंधन संस्थान के समीप झुग्गी बस्ती मे प्लास्टिक प्रदूषण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता
03	11.05.2018	पी एंड टी कॉलोनी के रहवासी कल्याण समिति के साथ घरेलू प्लास्टिक प्रबंधन संबंधी जनजागरूकता
04	11.05.2018	पुलिस हाउसिंग रहवासी कल्याण समिति के साथ घरेलू प्लास्टिक प्रबंधन संबंधी जनजागरूकता व चित्रकला प्रतियोगिता
05	16.05.2018	'सकारात्मक सोच ' संगठन के साथ एंटि-पॉलिथीन अभियान व जनजागरूकता कार्य
06	17.05.2018	हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बागमुलिया के साथ घरेलू प्लास्टिक प्रबंधन संबंधी जनजागरूकता व चित्रकला प्रतियोगिता
07	18.05.2018	होशंगाबाद के निकट नर्मदा नदी के सेठानी घाट पर पॉलिथीन सफाई अभियान
08	21.05.2018	रविशंकर नगर व अरेरा कॉलोनी क्षेत्र मे एंटि-पॉलिथीन/प्लास्टिक रैली
09	22.05.2018	वोट क्लब के निकट बड़े तालाब पर पॉलिथीन सफाई अभियान
10	22.05.2018	मंत्रालय के साथ संयुक्त चित्रकला प्रतियोगिता
11	23.05.2018	23-25 बटालियन के साथ प्लास्टिक वेस्ट संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रम व नुक्कड़ नाटक
12	24.05.2018	जल प्रबंधन व प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन संबंधी कार्यशाला
13	26.05.2018	कटारा हिल रहवासी कल्याण समिति के साथ घरेलू प्लास्टिक प्रबंधन संबंधी जनजागरूकता व चित्रकला प्रतियोगिता
14	27.05.2018	वोट क्लब के निकट बड़े तालाब पर पॉलिथीन सफाई अभियान व एंटि-पॉलिथीन नुक्कड़ नाटक

15	28.05.2018	होशंगाबाद के निकट नर्मदा नदी के कोरी घाट पर पॉलिथीन सफाई अभियान
16	29.05.2018	न्यू मार्केट में व्यापारी संघ के साथ एंटि-पॉलिथीन विषय पर नुक्कड़ नाटक
17	29.05.2018	डी.बी. माल मे एंटि-पॉलिथीन विषय पर नुक्कड़ नाटक
18	30.05.2018	बिट्टन मार्केट क्षेत्र में एंटि-पॉलिथीन विषय पर नुक्कड़ नाटक
19	01.06.2018	आई.सी.एम.आर. के साथ न्यू मार्केट में कैरी बैग हटाने संबंधी जन -जागरूकता
20	03.06.2018	भारत भवन के निकट पर्यावरण मिनी मैराथन जनजागरूकता
21	04.06.2018	शाहपुरा के निकट तालाब व पर्यावरण परिसर का पॉलिथीन सफाई अभियान
22	04.06.2018	पश्चिम-मध्य रेल्वे मंडल के साथ पर्यावरणीय नियमों संबंधी कार्यशाला
23	04.06.2018	तात्या टोपे स्टेडियम में पर्यावरणीय प्रदर्शनी
24	05.06.2018	वृक्षारोपण कार्यक्रम
25	05.06.2018	पर्यावरणीय संगोष्ठि
26	05.06.2018	संयुक्त समापन समारोह मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ
27	05.06.2018	क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, इंडियन वॉटर वर्क एसोसिएशन तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर , द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में कार्यालय के अधिकारियों द्वारा व्याख्यान

विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवेदन

(05 मई से 05 जून 2018)

संयुक्त कदम उठाने हेतु, एक मंच

विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया भर में पर्यावरण के संरक्षण के लिए कदम उठाने और जागरूकता फैलाने की दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र का सबसे महत्त्वपूर्ण दिन है। 1974 में अपनी शुरुआत से लेकर अब तक यह लोगों तक पहुंचने का एक व्यापक मंच बन चुका है और यह 100 से अधिक देशों में व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाता है।

लोगों का दिन

विश्व पर्यावरण दिवस मुख्य रूप से , धरती व पर्यावरण की देखभाल के लिए कुछ करने की इच्छा रखने वाले एवं प्रकृति को सहेजने वाले "लोगों का दिन " है। यह स्थानीय , राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर केन्द्रित हो सकता है तथा इसमें अकेले व्यक्ति के द्वारा भी सहयोग व सहभागिता की जा सकती है और वैश्विक स्तर पर जुड़ाव महसूस किया जा सकता है।

विषय

प्रत्येक विश्व पर्यावरण दिवस एक विषय के अंतर्गत मनाया जाता है जो किसी खास पर्यावरण समस्या की और ध्यान केंद्रित करता है। 2018 का विषय है "प्लास्टिक प्रदूषण" तथा नारा है 'करेंगे संग प्लास्टिक प्रदूषण से जंग'।

मेज़बान

प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी विश्व का कोई भी एक देश करता है , जहां विभिन्न समारोह आयोजित किए जाते हैं। मेज़बान देश पर ध्यान केंद्रित होने से इसकी पर्यावरणीय चुनौतियां सामने आती हैं और उनसे निपटने के प्रयासों को बल मिलता है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी भारत कर रहा है , इसके पूर्व भारत 2011 मे भी इसकी मेजबानी कर चुका है तथा हर वर्ष विषय की प्रासंगिकता के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लेता है।

19, फरवरी, 2018 को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण के प्रमुख ने संयुक्त रूप से घोषणा की कि भारत विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय समारोह की मेज़बानी करेगा। विश्व पर्यावरण दिवस 2018 का विषय , “प्लास्टिक प्रदूषण ”, सरकारों से, उद्योग जगत से , समुदायों और सभी लोगों से अनुरोध करता है कि वे साथ मिलकर प्लास्टिक का स्थाई विकल्प खोजें और एक बार उपयोग में आने वाले प्लास्टिक के उत्पादन और उपयोग का जल्द से जल्द विकल्प

उपलब्ध कराएं, क्योंकि प्लास्टिक हमारे महासागरों को प्रदूषित कर रहा है, जलीय जीवन को नष्ट कर रहा है और अब मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन गया है साथ ही यह हमारी भोजन श्रंखला मे भी समाहित हो रहा है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड , क्षेत्रीय निदेशालय , भोपाल विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के अवसर पर अनेक समारोह व रुचिकर गतिविधियां आयोजित की, जिनमें लोगों की आशातीत रुचि और भागीदारी भी देखने को मिली है। संपूर्ण भोपाल में सार्वजनिक जगहों, उद्यानों और पेय जल स्त्रोतों से प्लास्टिक की सफाई की गई और साथ ही साथ नदी तटों की सफाई जैसे अभियानों का उदाहरण पेश करते हुए, **क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल** ने अपनी जिम्मेदारी के रूप में इसमे सहभागिता की है।

अब **क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल भी** प्लास्टिक प्रदूषण व प्रबंधन के विरुद्ध कार्यवाही करने की दिशा में मदद तथा प्लास्टिक प्रबंधन नियम ,2016 को नगरीय निकायों के माध्यम से प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास करेगा क्योकि प्लास्टिक दुनिया भर के लिए संकटपूर्ण और जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस 2018 की मेज़बानी कर, भारत सरकार एक बेहद ज्वलंत मुद्दे के नेतृत्व का बीड़ा उठा रही है। प्लास्टिक प्रदूषण से जुड़े कुछ तथ्य निम्न है **:**

- प्रत्येक वर्ष पूरी दुनिया में 500 अरब प्लास्टिक बैगों का उपयोग किया जाता है।
- हर वर्ष, कम से कम 8 मिलियन टन प्लास्टिक महासागरों में पहुंचता है, जो प्रति मिनट एक कूड़े से भरे ट्रक के बराबर है।

- पिछले एक दशक के दौरान उत्पादित किये गए प्लास्टिक की मात्रा , पिछली एक शताब्दी के दौरान उत्पादित किये गए प्लास्टिक की मात्रा से अधिक थी ।
- हमारे द्वारा प्रयोग किये जाने वाले प्लास्टिक में से 50% प्लास्टिक का उपयोग सिर्फ एक बार ही होता है।
- हर मिनट 10 लाख प्लास्टिक की बोतलें खरीदी जाती हैं ।
- हमारे द्वारा उत्पन्न किए गए कुल कचरे में 10% योगदान प्लास्टिक का होता है ।

इस बार विश्व पर्यावरण दिवस की थीम है 'बीट प्लास्टिक पोल्यूशन' इस थीम का उद्देश्य प्रकृति के द्वारा उपहार स्वरूप दिये गये वास्तविक रूप में अपने ग्रह को बचाने के लिये उत्सव के माध्यम से सभी लोगों को सक्रियता से शामिल करना। इस थीम को सार्थक बनाने के लिये अनेक

गतिविधियां जैसे-स्वच्छता अभियान , वृक्षारोपण, प्रदर्शनी, कूड़े के पुनःचक्रण संबंधी फिल्में , पोस्टर प्रतियोगिता , सोशल मीडिया अभियान आदि का आयोजन किया गया ताकि एक सार्थक पहल का शुभारंभ किया जा सके। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड , क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा भी विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के अवसर पर वैश्विक समारोह में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए पर्यावरण संरक्षण संबंधी अनेक गतिविधियां की गई जो जनता को प्रकृति से जोड़ने व संरक्षण में सहायक रही। वर्तमान परिपेक्ष्य में देखा जाए तो जन-सामान्य में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है एवं इसके प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करने हेतु इस तरह के आयोजन इसकी सार्थकता को पूर्ण करते हैं।

संपूर्ण विश्व में प्लास्टिक अपना एक महत्त्वपूर्ण स्थान बना चुका है और दुनिया के सभी देश इससे निर्मित वस्तुओं का किसी न किसी रूप में उपयोग कर रहे हैं। विचारणीय विषय यह है कि सभी इसके दुष्प्रभावों से अनभिज्ञ हैं या जानते हुए भी अनभिज्ञ बने जा रहे हैं। पॉलीथीन एक प्रकार का जहर है जो पूरे पर्यावरण को नष्ट कर रहा है और भविष्य में हम यदि इससे छुटकारा पाना चाहेंगे तो हम अपने को काफी पीछे पाएँगे और तब तक सम्पूर्ण पर्यावरण इससे दूषित हो चुका होगा।

यह एक ऐसी वस्तु बन चुका है जो घर में पूजा स्थल से रसोईघर , स्नानघर, बैठक गृह तथा पठन-पाठन वाले कमरों तक के उपयोग में आने लगा है। यही नहीं यदि हमें बाजार से कोई भी वस्तु जैसे राशन, फल, सब्जी, कपड़े, जूते यहाँ तक तरल पदार्थ जैसे दूध , दही, तेल, घी, फलों का रस इत्यादि भी लाना हो तो उसको लाने में पॉलीथीन का ही उपयोग करते है। आज के समय में फास्ट फूड का काफी प्रचलन है जिसको भी पॉलिथीन में ही दिया जाता है। आज मनुष्य पॉलिथीन का इतना आदी हो चुका है कि वह कपड़े या जूट के बने थैलों का प्रयोग करना ही भूल गया है। दुकानदार भी हर प्रकार के पॉलीथीन बैग रखने को और मजबूर हैं, क्योंकि ग्राहक ने उसे पॉलीथीन रखने को बाध्य सा कर दिया है यह प्रचलन चार पाँच दशक पहले इतनी बड़ी मात्रा में नही था तब कपड़े , जूट या कागज से बने थैलों का प्रयोग हुआ करता था जोकि पर्यावरण के लिये लाभदायक था।

लेकिन जब से पॉलीथीन प्रचलन में आया, पुरानी सभी पद्धतियाँ धरी रह गईं और कपड़े, जूट व कागज की जगह पॉलीथीन ने ले ली। पॉलीथीन या प्लास्टिक निर्मित केरी बैग एक बार प्रयोग करने के बाद दुबारा प्रयोग में नहीं लिये जा सकते है लिहाजा इसे फेंकना ही पड़ता है , इस कारण आज हमे सब जगह पॉलिथीन ही पॉलिथीन दिखाइ देती है जो सम्पूर्ण पर्यावरण को दूषित कर रही है। पॉलिथीन निर्मित वस्तुएँ प्रकृति में विलय नहीं हो पाती हैं यानि यह बायोडिग्रेडेबल पदार्थ नहीं है अत: भूमि बंजर हो जाती है। इससे बड़ी समस्या नलियों के अवरुद्ध होने की आती हैं। जहाँ-तहाँ कूड़े से भरे पॉलीथीन वातावरण को प्रदूषित करते हैं। खाने योग्य वस्तुओं के छिलके पॉलीथिन में बंदकर फेंके जाने से पशु इनका सेवन पॉलीथीन सहित कर लेते हैं, जो नुकसानदेय है और यहाँ तक की पशुओं की मृत्यु तक हो जाती है।

सन् 1972 में 05 जून से 16 जून तक मानव पर्यावरण पर शुरू हुये सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र आम सभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के द्वारा कुछ प्रभावकारी अभियानों को प्रारंभ करने तथा हर वर्ष पर्यावरण दिवस मनाने की कल्पना की थी। इसे पहली बार 1973 में 'केवल धरती' थीम के साथ मनाया गया था तथा 1974 से दुनिया के विभिन्न शहरों में विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी प्रारंभ की गई। संपूर्ण विश्व में जन-सामान्य को जागरूक बनाने के साथ ही कुछ सकारात्मक पर्यावरणीय कार्यवाही को लागू करने तथा पर्यावरणीय मुद्दों को सुलझाने के लिये तथा हरित पर्यावरण के महत्व के बारे में वैश्विक स्तर पर जन-जागरूकता लाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार या निजी संगठनों की ही नहीं , बल्कि संपूर्ण समाज की है , यह संदेश भी विश्व पर्यावरण दिवस के माध्यम से देने का प्रयास किया जाएगा ।

उपरोक्त बैठक में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा भाग लिया गया था, श्रीमती गांधी के स्वदेश वापसी के बाद से ही पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने का कार्य प्रारंभ हुआ। इसके बाद हमारे देश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए प्रारंभिक रूप में जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम , 1974 तत्पश्चात वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम , 1981 लागू किया गया तथा कालांतर में समय व परिस्थिति के अनुसार विभिन्न प्रदूषणकारी तत्वों की जलिटताओं के आधार पर समुचित प्रबंधन हेतु सर्वमान्य व प्रभावी कानून बनाए गए। पर्यावरण संबंधी नियमों के अनुपालन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा राज्य स्तर पर राज्य सरकारों एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को प्रदान की गई है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण , प्रदूषण मापन व नियंत्रण के क्षेत्र में अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी कार्यों का सम्पादन करता है। बोर्ड के विभिन्न कार्यों में एक कार्य जन-सामान्य को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा व्यक्तिगत स्तर से संस्थागत स्तर तक

पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान करना भी है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड , क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है जिसमें पर्यावरण संरक्षण के वर्तमान मुद्दे जैसे- नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, मल-जल प्रबंधन , ओद्यौगिक प्रदूषण नियंत्रण , वन संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि पर जन-जागरूकता की जाती रही है तथा प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण संगठन द्वारा घोषित थीम व स्थानीय आवश्यकता के आधार पर पर्यावरण दिवस कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जाती है।

इस वर्ष के आयोजन के प्रमुख बिन्दुओं में नगरीय ठोस अपशिष्ट एवं प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन को मुख्य रूप से सम्मिलित किया गया है। इस वर्ष पर्यावरण दिवस आयोजन के निम्न उद्देश्य थे :-

1. जनसामान्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना।
2. प्लास्टिक वेस्ट के प्रति जन सामान्य में जागरूकता फैलाना तथा प्लास्टिक कैरी बैग का विकल्प बताना।
3. रहवासी कल्याण समिति व व्यापारी संघ की सहायता से पॉलिथीन के उपयोग को कम करना।
4. स्वैच्छिक रूप से लोगों को प्लास्टिक के विकल्प के उपयोग हेतु प्रोत्साहित कराना।
5. प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाली क्षति व दुष्परिणा मों से अवगत कराना तथा पर्यावरणीय परिवेश को साफ व सुरक्षित बनाए रखने हेतु प्रेरित करना।
6. कार्यालय द्वारा प्रदूषण निवारण व रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों से जनसामान्य को अवगत कराना।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अधिक से अधिक लोगों को प्रोत्साहित करने तथा क्षेत्रीय निदेशालय , भोपाल के कार्यक्षेत्र में आने वाले मध्यप्रदेश , राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ राज्यों में भी इस कार्यक्रम को संपादित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की कार्य योजनायें राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के

संयोजन के साथ बनाई गई। इस वर्ष मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ पोलिथीन/प्लास्टिक के विरुद्द जन-जागरूकता संबंधी अनेक संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमे मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व विशेष रूप से उसके क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र मे कार्य करने वाले सभी संस्थानों से उत्कृष्ट समन्वयन किया गया।

क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड , भोपाल द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की श्रंखला का आयोजन दिनांक 05.05.2018 से 05.06.2018 के मध्य लगातार एक माह तक किया गया। जिसमें निम्नलिखित कार्यक्रमों की श्रंखला आयोजित की गई-

<u>पर्यावरण क्विज व चित्रकला प्रतियोगिता :-</u>

पर्यावरण दिवस कार्यक्रमों की श्रंखला का शुभारंभ आई.ई.एस. पब्लिक स्कूल से किया गया जहां दिनांक 05 मई, 2018 को समर कैम्प में उपस्थित बच्चों के बीच जाकर उन्हें प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा कार्यालय द्वारा वायु व ध्वनि प्रदूषण के मापन में उपयोग होने वाले उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बच्चों को प्लास्टिक वेस्ट से होने वाले प्रदूषण संबंधी जानकारी प्रदान की गई

तथा प्लास्टिक किस तरह से हमारे दैनिक जीवन की आवश्यकता के साथ-साथ हमारी विवशता बनता जा रहा है, इस बाबत् जानकारी प्रदान की गई। सबसे अधिक प्रदूषण प्लास्टिक कैरीबैग से होता है , अतः पालीथीन कैरीबैग के विकल्प के बारे में बच्चों को जानकारी दी और पालीथीन से पर्यावरण को किस तरह नुकसान पहुंच रहा है तथा हमारे किन प्रयासों से इसको न्यूनतम किया जा सकता है इस बाबत् बच्चों से वार्तालाप की गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के बीच पर्यावरण क्विज का आयोजन किया गया तथा सही उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

इसी कार्यक्रम के अगामी चरण में दिनांक 09 मई, 2018 को भारतीय वन प्रबंध संस्थान के निकट स्थित मंडवा गांव झुग्गी बस्ती में बच्चों व स्थानीय लोगों के बीच पर्यावरण जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय एन.जी.ओ. की मदद् से बच्चों के बीच प्लास्टिक प्रदूषण संबंधी चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा उन्हें प्लास्टिक के कम से कम उपयोग करने की जानकारी प्रदान की । इस अवसर पर बच्चों ने प्लास्टिक को जलाने व इसके द्वारा नालियों के चोक होने संबंधी बातें बताईं जो कि इंगित करता है कि प्रदूषण की समस्या के बारे में बच्चे अभी से जागरूक हैं। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के क्विज पर्यावरण क्विज का आयोजन किया गया तथा सही उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित थीम पर दिनांक 04.06.2018 को स्थानीय तात्या टोपे स्टेडियम में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान लगभग 200 से अधिक बच्चे उपस्थित हुए तथा पर्यावरणीय मुद्दों पर चित्र बनाए। उक्त प्रतियोगिता केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निगम, भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं से 8वीं वर्ग तथा 9वीं से 12वीं वर्ग के बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर मन की कल्पनाओं को कैनवास पर उकेरा गया तथा बाल-मन पर्यावरण संरक्षण को किस रूप में चित्रित करता है इसका प्रमाण प्रस्तुत किया गया।

उपरोक्त चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन का मूल उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें प्रारंभ से ही पर्यावरण हितैषी गुणों से अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को अपने जन्म दिवस व अन्य प्रमुख अवसरों पर पौधारोपण करने तथा वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल करने की शपथ भी दिलवाई गई। कार्यक्रम में घरेलू दैनिक जीवन में किस प्रकार से ऊर्जा , पानी व अन्य प्राकृतिक संसाधनों का मितव्ययिता से उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण सकते हैं , इस संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई।

<u>रहवासी कल्याण समितियों के साथ कार्यक्रम :-</u>

इस श्रृंखला में शहर के कचरे के प्रबंधन में रहवासी कल्याण समितियों की अहम भूमिका को देखते हुए शहर की प्रमुख रहवासी कल्याण समितियों के साथ ठोस अपद्गिाष्ट प्रबंधन संबंधी कार्यक्रम आयोजित किये गये क्योंकि इनके प्रयास से कालोनी से उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट का स्रोत पर ही छटाई की जा सकती है जिससे इस कचरे के आगे प्रबंधन में सुविधा होती है। चूंकि स्थानीय निकाय भी अपने नियमों को प्रभावी रूप से लागू करने हेतु इन्हीं रहवासी कल्याण समितियों पर अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर होते हैं। अतः कार्यालय द्वारा शहर की चार प्रमुख रहवासी कल्याण समितियों:- (1) पी. एण्ड टी. कालोनी , (2) पुलिस हाउसिंग सोसायटी , (3) कटारा हिल्स हाउसिंग बोर्ड सोसायटी (4) ए.जी. कालोनी हाउसिंग सोसायटी के साथ

समन्वय कर कालोनी के सभी रहवासियों को प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे व उचित प्रबंधन से संबंधी जानकारी प्रदान की तथा धीरे-धीरे प्लास्टिक के उपयोग विशेष रूप से पालीथीन कैरीबैग के उपयोग को न्यूनतम करने हेतु अनुरोध किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान गृहणियों व बच्चों से चर्चा की गई तथा पाया कि प्लास्टिक का वर्तमान में विकल्प न होने की स्थिति में लोग आदतन नहीं मजबूरन इसका उपयोग करने हेतु बाध्य हैं। सभी कार्यक्रम के अंत में बच्चों के बीच सामान्य पर्यावरण क्विज का आयोजन किया गया तथा प्लास्टिक कैरी बैग में सामान न लाने व प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की प्रतिज्ञा ली गई तथा कार्यक्रम समाप्ति पर उपस्थित लोगों को नि :शुल्क कपड़े के थैलों का वितरण किया गया तथा निवेदन किया गया कि प्लास्टिक कैरी बैग की जगह बाजार जाते समय कपड़े के थैले का उपयोग करें।

चूंकि शहर के ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन की जिम्मेदारी नगरीय निकायों की होती है अतः कार्यालय द्वारा सभी कार्यक्रमों में नगरीय निकाय की सहभागिता सुनिश्चित की तथा कटारा हिल्स हाउसिंग सोसायटी में वार्ड क्रमांक 19 में दिनांक 24 एवं 26 मई, 2018 को नगर निगम के सहयोग से विशेष सफाई अभियान चलाया तथा कालोनी के तीन पार्क व गलियों को पालीथीन मुक्त बनाया तथा रहवासी कल्याण समिति से निवेदन किया कि इस क्रम को लगातार बनाये रखें तथा अन्य रहसावियों को भी प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जागरूक बनायें।

समाज में जन-जागरूकता हेतु एन.जी.ओ. व अन्य संगठनों की भी बहुत अहम भूमिका होती है इस को संज्ञान में लेते हुए पिपलानी क्षेत्र के महिला संगठन "सकारात्मक सोच" के साथ दिनांक 16 मई, 2018 को भी कार्यालय द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां महिलाओं को किस तरह से घरेलु प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति पा सकते हैं तथा प्लास्टिक के क्या-क्या विकल्प हो सकते हैं इस बाबत् जानकारी प्रदान की तथा परिचर्चा की गई।

इस अवसर पर महिलाओं ने अपने द्वारा किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया तथा पालीथीन के विकल्प के रूप में किस तरह कपड़े के थैले व अन्य विकल्पों को अपनाया जा रहा है इस बारे में जानकारी प्रदान की । इस अवसर पर सभी उपस्थित महिलाओं के बीच कपड़े के थैलों का वितरण किया गया तथा बाजार जाते समय इसका उपयोग करने का निवेदन किया गया।

<u>जल स्रोत का संरक्षण व प्लास्टिक सफाई कार्यक्रम</u> :-

इस कार्यक्रम की श्रृंखला में भोपाल शहर के प्रमुख तालाब तथा मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी नदी नर्मदा के घाटों की सफाई का कार्य किया गया। पहले चरण में दिनांक 18 मई, 2018 को होशंगाबाद में नर्मदा नदी के सेठानी घाट पर तथा दिनांक 28 मई, 2018 को कोरी घाट पर सफाई अभियान का आयोजन किया गया तथा घाट पर फैले हुए प्लास्टिक कचरे की सफाई की गई तथा उपस्थित श्रृद्धालुओं तथा घाट पर स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठानों से निवेदन किया गया कि नदी की

पवित्रता बनाये रखने में सहयोग करें। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशालय , भोपाल के अधिकारियों द्वारा स्थानीय रहवासियों व व्यापारियों से निवेदन किया कि स्वेच्छा से घाट की सफाई व्यवस्था बनाये रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं व कचरा फैलाने वालों को समझाईश दें एवं उन पर निगरानी रखें।

इसी क्रम में भोपाल स्थित बड़े तालाब की सफाई का कार्य भी संपादित किया गया। चूंकि बड़ा तालाब भोपाल शहर का पेयजल का स्रोत भी है, अतः उसके वोट क्लब वाले क्षेत्र से पालीथीन हटाने व सफाई का कार्य किया गया। यह कार्य दिनांक 22 एवं 27 मई, 2018 को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड , मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम , नगर निगम, होटल संगठन, वाहन विक्रेता संघ व अन्य स्थानीय निकायों की मदद् से संपादित किया गया। इस अवसर पर वोट क्लब पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया जिसके माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण संबंधी जानकारी जन-सामान्य को दी गई तथा प्लास्टिक किस तरह हमारे जल-स्रोतों नुकसान पहुंचा रहे हैं तथा हम इसकी रोकथाम हेतु क्या कर सकते हैं, इस बाबत् संदेश दिया गया।

<u>पर्यावरण रैली :-</u>

जन-सामान्य व हाट बाजार में पालीथीन के प्रयोग को न्यूनतम करने हेतु पर्यावरण , वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय , क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के साथ एक रैली का आयोजन दिनांक 21 मई, 2018 को किया गया । यह रैली रविशंकर मार्केट व अरेरा कालोनी क्षेत्र में भ्रमण करते हुए क्षेत्रीय कार्यालय , पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय पर समाप्त हुई जहां एक परिचर्चा आयोजित की गई इसमें भारतीय वन प्रबंधन संस्थान , क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के

अधिकारी भी उपस्थित थे। इस रैली में पोस्टर व बैनर के माध्यम से राहगीरों तथा 10 नंबर स्थित हाट बाजार के दुकानदारों से अपील की गई कि वे प्लास्टिक का प्रयोग न्यूनतम करें तथा यथासंभव ग्राहकों को कैरीबैग न प्रदान करें , साथ ही बाजार में उपस्थित ग्राहकों से भी निवेदन किया गया कि घर से बाजार जाते समय कपड़े की थैली को लेकर चलें।

<u>नुक्कड़ नाटक :-</u>

सामान्य नागरिकों में प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जन-चेतना के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रभावी रूप से संदेश फैला सकते हैं इस अवधारणा से क्षेत्रीय निदेशालय , भोपाल द्वारा शहर के पांच स्थानों :- (1) वोट क्लब, बड़ा तालाब (2) न्यू मार्केट (3) डी.बी. मॉल (4) 25वीं बटालियन (5) 10 नंबर मार्केट में नुक्कड़ नाटक का आयोजन दिनांक 23 से 30 मई, 2018 के मध्य किया गया तथा इन नाटकों के माध्यम से घरों से होने वाले प्लास्टिक प्रदूषण तथा यह किस तरह से शहर के विभिन्न क्षेत्रों को प्रदूषित करता है इस बाबत् संदेश दिया गया। नुक्कड़ नाटक के पश्चात् मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय , भोपाल के प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित जन-समुदाय को बताया कि मध्यप्रदेश में प्लास्टिक प्रबंधन से संबंधित कौन-कौन से कानून हैं तथा किस तरह उनका परिपालन किया जाना है , साथ ही दुकानदारों से भी निवेदन किया गया कि वे प्लास्टिक कैरीबैग का उपयोग न करें तथा ग्राहकों को इसका विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास करें। बाजार में होने वाले सभी नुक्कड़ नाटकों के दौरान व्यापारी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा उनके द्वारा भी केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस मुहिम में भरसक सहयोग करने व इसे कार्यान्वित करने का आश्वासन दिया।

<u>कार्यशाला :-</u>

1. पर्यावरण दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला में तीन कार्यशाला का आयोजन किया गया , प्रथम कार्यशाला दिनांक 23 मई, 2018 को 25वीं बटालियन भदभदा के सभागार में आयोजित की गई जिसमें 23वीं व 25वीं बटालियन के सभी जवान व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जल व वायु प्रदूषण संबंधी जानकारी तथा उनके मापन में उपयोग किये जाने वाले उपकरणों का जीवंत प्रदर्शन किया गया तथा इनकी कार्यप्रणाली से उपस्थित जवानों को अवगत कराया। इसी क्रम में प्लास्टिक का हमारे स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ रहा है तथा किस तरह नैनो प्लास्टिक पार्टिकल हमारी आहार श्रृंखला में प्रवेश कर रहे हैं

इस बाबत जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रम के दौरान पुलिस के जवानों को प्लास्टिक प्रदूषण से संबंधित लघु फिल्म भी दिखाई गई ताकि प्लास्टिक प्रदूषण के रोकथान का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया जा सके।

2. इस श्रृंखला की अगली कार्यशाला होटल पलाश में दिनांक 24 मई 2018 को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित की गई , इसमें उद्योग प्रतिनिधि तथा भोपाल के विशिष्ट-जन उपस्थित थे। इस कार्यशाला का मुख्य विषय जल संरक्षण था जिस पर उपस्थित लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये तथा केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की शून्य निःस्राव की अवधारणा के आधार पर किस तरह से जल का पुनर्चक्रण कर इसका उपयोग किया जा रहा है , इस बाबत् विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर उद्योगों द्वारा प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन में उनकी भूमिका व उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक डॉ.पी.के.बेहेरा द्वारा बताया गया कि अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में प्लास्टिक वेस्ट का प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुका है तथा इसकी महती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये पर्यावरण , वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन नियम , 2016

बनाये हैं जिसमें नगर निगम के साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर तक प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन की जिम्मेदारियों को सुनिश्चित किया गया है तथा प्लास्टिक के न्यूनतम उपयोग हेतु कार्य करने बाबत अनुशंसायें की गई। उक्त संदर्भ में यह भी बताना कि क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल के अंतर्गत आने वाले तीनों राज्यों द्वारा प्लास्टिक कैरी बैग के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है तथा इससे संबंधित आवश्यक अधिसूचनायें भी राज्य स्तर पर जारी कर दी गई है।

3. रेल्वे द्वारा भी व्यायसायिक रूप से प्रचुर मात्रा में ठोस अपशिष्ठ उत्पन्न किया जाता है जिसमे बहुत अधिक मात्रा में प्लास्टिक होता है जिसके संपूर्ण प्रबंधन हेतु क्षेत्रीय निदेशालय , भोपाल, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से कार्यशाला का आयोजन डी.आर.एम. भोपाल के कार्यालय के सभागार मे दिनांक 04.06.2018 को आयोजित किया गया जिसमे पश्चिम-मध्य रेल्वे मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशालय , भोपाल द्वारा रेल्वे पर लागू होने वाले पर्यावरणीय नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई साथ ही पूर्व मे रेल्वे स्टेशन पर किए गए प्रबोधन कार्य की जानकारी व अनुशंसाओं से अवगत कराया तथा रेल्वे किस तरह नियमों का परिपालन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकता है इस बाबत परिचर्चा की गई। रेल्वे के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी नियमों के परिपालन हेतु प्रतिबद्धता बताई।

<u>पर्यावरण दौड़ भोपाल में सहभागिता :-</u>

पर्यावरण के प्रति आम-जनमानस में जन-जागरूकता के उद्देश्य से क्षेत्रीय निदेशालय , केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल व पर्यावरण के अन्य विभागों के साथ दिनांक 03.06.2018 को भारत भवन से वोट क्लब तक 'पर्यावरणीय दौड़' का आयोजन किया गया था , इसमें कई स्थानीय लोगों , राज्य शासन के विभागों ने सहभागिता की जिसमें सभी आयु वर्ग के लोग शामिल थे। यहाँ मार्ग के दोनों ओर पर्यावरण संरक्षण संबंधी बैनर लगाए गए थे जिससे जो स्थानीय रहवासी व आम जनता प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हुए थे उन्हें भी इस दौड़ के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश पहुंचाया

गया। दौड़ का शुभारंभ भोपाल के माननीय सांसद के द्वारा किया गया तथा महापौर द्वारा भी इस रैली को संबोधित किया तथा पोलिथीन प्रदूषण की रोकथाम मे सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास को सफल बनाने की अपील की गई।

<u>वृक्षारोपण कार्यक्रम</u>

विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून, 2018) के अवसर पर क्षेत्रीय निदेशालय , केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा कार्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसके पूर्व स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कार्यालय प्रांगण की साफ-सफाई की गई वृक्षारोपण कार्यक्रम में कार्यालय परिसर में स्थित अन्य शासकीय कार्यालय जैसे- मध्यप्रदेश आवास संघ एवं सहकारी उपभोक्ता संघ मर्यादित व अन्य कार्यालयों के अधिकारियों द्वारा भी भाग लिया गया। वृक्षारोपण पश्चात् सभी उपस्थितों ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी शपथ ली। कार्यक्रम उपरांत क्षेत्रीय निदेशक डॉ.पी.के.बेहेरा द्वारा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित किया तथा पर्यारण संरक्षण में हमारे प्रयास किस तरह सहायक हैं इस बाबत् जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर उपस्थित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये व वृक्षों के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम में कार्यालय के कर्मचारियों को अपने रहवासी क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यालय द्वारा पौधों का वितरण भी किया गया।

<u>पर्यावरण संगोष्ठी :-</u>

कार्यक्रम के अगले सोपान में क्षेत्रीय निदेशालय में पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया तथा पर्यावरण दिवस के इस वर्ष के स्लोगन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवीनतम शोधों के ऊपर विचारों का आदान प्रदान किया गया। संगोष्ठी में उपस्थित प्रतिभागियों से इस बाबत् भी चर्चा हुई कि किस प्रकार से प्लास्टिक से बने उत्पादों का विकल्प अपनाकर हम इस मुहिम मे सहयोग कर सकते है। संगोष्ठी के

दौरान कार्यालय के अन्य प्रतिभागियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा पर्यावरणीय नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन व वैश्विक स्तर पर प्रदूषण स्तर को न्यूनतम रखने में किस तरह नई-नई चुनौतियां आ रही हैं तथा इसके क्या व्यवहारिक समाधान संभव हैं , इस बारे में अपने अनुभवों को साझा किया। इस दौरान उपस्थित सहभागियों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर किस-किस तरह के कार्य संपादित किए जा रहे हैं तथा भविष्य की क्या योजनाएं हैं इस बारे में भी अपने विचार व्यक्त किए गए।

क्षेत्रीय निदेशक द्वारा इस अवसर पर नगरीय ठोस अपशिष्ट के प्रबंधन के बारे में जोर देते हुए बताया गया कि 6 वेस्ट प्रबंधन में विशेष रूप से नगरीय ठोस अपशिष्ट , खतरनाक अपशिष्ट व प्लास्टिक वेस्ट का प्रबंधन आज के समय की प्रमुख आवश्यकता है तथा इसके प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण भी संरक्षित किया जा सकता है। भविष्य में उन्होंने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों व नगरीय निकायों के साथ और अधिक समन्वय के द्वारा इसके उचित प्रबंधन व अनुपालन संबंधी कार्य को गति देने पर बल दिया।

<u>पर्यावरणीय प्रदर्शनी :-</u>

क्षेत्रीय निदेशालय , केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड , भोपाल द्वारा पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय तात्या टोपे स्टेडियम में दिनांक 04 व 05 जून 2018 को दो दिवसीय प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जिसमें प्रदूषण मापन में उपयोगी उपकरणों का जीवन्त प्रदर्शन किया गया तथा बच्चों के प्रश्नों का जवाब दिया गया। उक्त प्रदर्शनी में मुख्य रूप से वायु व ध्वनि प्रदूषण मापन में उपयोगी उपकरण प्रदर्शित किये गये। प्रदर्शनी के दौरान दूषित जल उपचार संयंत्र का मॉडल भी रखा गया था तथा मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नर्मदा नदी के वॉटर मोनिट्रिंग पोईंट्स के बारे मे विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की थी । इस प्रदर्शनी में नगर निगम भोपाल द्वारा भी प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन से संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई। इस अवसर पर मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा मध्य प्रदेश, शासन के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में सहभागी रहे।

विविध :-

आई सी एम आर , भोपाल द्वारा न्यू मार्केट क्षेत्र में व्यापारी संघ के साथ प्लास्टिक प्रदूषण संबंधी जन-जागरूकता कार्यक्रम व इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर से आम जनता को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में भी कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की।

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड , भोपाल पर्यावरण दिवस के दिन सहभागिता की गई उक्त कार्यक्रम में प्लास्टिक प्रदूषण पर आधारित अस्थाई प्रदर्शनी भी लगाई गई।

मध्यप्रदेश शासन के पर्यावरण विभाग द्वारा प्लास्टिक बोतल के ईको फ्रेंडली डिस्पोसल हेतु रिवर्स वेंडिंग मशीन का लोकार्पण किया गया क्षेत्रीय निदेशालय , भोपाल द्वारा भी इस कार्यक्रम में सहभागिता की गई।

इंडियन वॉटर वर्क एसोसिएसन, भोपाल तथा इंस्टीट्यू शन ऑफ इंजीनियर , भोपाल द्वारा पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें कार्यालय के अधिकारी द्वारा व्याख्यान दिया गया।

सोशल मीडिया :-

आज के समय मे समाज में त्वरित संदेश पहुचाने हेतु सोशल मीडिया का बहुत योगदान है इसी बात को ध्यान में रखते हुए एक लघु फिल्म भी बनाई जो प्लास्टिक वेस्ट प्रदूषण पर आधारित थी जिसे सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया। इस वीडियो को यूट्यूब पर भी अपलोड किया गया जिसे लिंक https://youtu.be/B_LTK3KL_04 से देखा जा सकता है। यह वीडियो कार्यालय की वेबसाइड पर भी अपलोड किया गया है।

<u>उपसंहार :-</u>

क्षेत्रीय निदेशालय , भोपाल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के अवसर पर दिनांक 5.05.2018 से 06.06.2018 के मध्य पर्यावरण माह का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय के प्रत्येक व्यक्ति ने पूरे मनोयोग के साथ कार्यक्रमों में सहभागिता की तथा व्यापक जन-जागरूकता हेतु व पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य को अनवरत् बनाए रखने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता, पर्यावरणीय कार्यशाला, वृक्षारोपण, संगोष्ठी, पर्यावरणीय प्रदर्शनी , पर्यावरण दौड़ , रहवासी कल्याण समिति से बैठक तथा स्थानीय प्रशासन के साथ संयुक्त कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया। इस बार के पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम की विशेषता यह रही की प्रचार व प्रसार हेतु कार्यालय द्वारा कोई भी प्लास्टिक फ्लेक्स बैनर का उपयोग नही किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का सहयोग सराहनीय रहा। क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल ने मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नगरीय निकाय के साथ और अधिक समन्वय कर पर्यावरणीय नियमों को व्यवहारिक रूप से अनुपालन करवाने की दिशा में प्रयास करने हेतु बल दिया गया ताकि प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पर्यावरण में जीने का अधिकार प्राप्त रहे तथा राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरणीय नियमों का पूर्ण रूपेण पालन हो सके एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का स्वच्छ पर्यावरण के लिये प्रतिबद्धता का सिद्धांत सार्थक हो सके...........।

(डॉ. पी के बेहेरा)
क्षेत्रीय निदेशक

संकलन:- डॉ.अनूप चतुर्वेदी,
एस.एस.ए.

विविध कार्यक्रमों की झलकियाँ

पर्यावरण शपथ वोट क्लब

कार्यशाला होटल पलाश रेसीडेंसी

पर्यावरण शपथ सकारात्मक सोच संगठन

पर्यावरण रैली अरेरा कॉलोनी

प्लास्टिक सफाई अभियान बड़ा तालाब

कटारा हिल्स में पर्यावरण जन-जागरूकता

वोट क्लब पर नुक्कड़ नाटक

डी बी माल पर नुक्कड़ नाटक

10 नंबर मार्केट पर नुक्कड़ नाटक

नर्मदा नदी तट की सफाई व रैली

प्लास्टिक सफाई अभियान बड़ा तालाब

प्लास्टिक सफाई अभियान पर्यावरण परिसर

पर्यावरण बचाने हेतु आयोजित मिनी मैराथन में सहभागिता

patrika.com

पत्रिका . भोपाल . गुरुवार . 24.06.2018

पर्यावरण जागरुकता

जवानों को मापकर दिखाया प्रदूषण का स्तर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

23वीं और 25 वीं बटालियन के जवानों को दिया मशीनों का लाइव डेमोस्ट्रेशन

patrika.com

पत्रिका . भोपाल . बुधवार . 23.06.2018

प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने की बोट क्लब पर सफाई

पत्रिका

भोपाल, रविवार, 27 मई 2018

वैज्ञानिकों ने समझाए प्रदूषण के खतरे

पेपर क्लिपिंग्स

पत्रिका BHOPAL WEDNESDAY 06/06/2018

विश्व पर्यावरण दिवस पर समन्वय भवन में पुरस्कार वितरण समारोह में बोले विशेषज्ञ

प्लास्टिक कचरा दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा

भोपाल • विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले उद्योगों, संगठनों और नागरिकों को पर्यावरण मंत्री अंतर सिंह आर्य ने पुरस्कृत किया। पुरस्कार वितरण मंगलवार शाम समन्वय भवन में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में सांसद आलोक संजर, इंदौर महापौर मालिनी गौड़, पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव अनुपम राजन एवं कोको कोला की इंडिया हेड क्रिस्टीना रिगार्डो उपस्थित थीं। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन में अनुपम राजन ने कहा कि प्लास्टिक कचरा दुनिया के लिए बड़ा खतरा बनकर सामने आ रहा है जिसे छोटी-छोटी आदतें बदलकर बचा जा सकता है। सांसद संजर ने कहा कि इस समय विश्व में तीन प्रमुख समस्याएं है ग्लोबल वार्मिंग, आतंकवाद और प्लास्टिक प्रदूषण। हमारा शहर भोपाल ही कभी इतना गर्म नहीं हुआ करता था। रात को बाहर सोते थे तो रजाई लेकर सोना पड़ता था, लेकिन दो दशकों में ही तस्वीर बदल गई। कारण जहां जंगल और खेत थे वहां क्रंकीट के जंगल में खड़े हो गए। उसे परंपराओं को फिर जीवित करके रोका जा सकता है।

क्रिस्टीना रिगेरे ने कहा कि मुझे 55 देशों को देखने को मिला है लेकिन पुरानी चीजों को फिर से उपयोग की जो काबिलियत भारतीयों में है वह अद्भुत है। वर्तमान में प्लास्टिक कचरा एक बड़ी समस्या है, लेकिन इससे निपटने के लिए हम क्या कर रहे है, यह जरूरी है। शहर को स्वच्छ रखना शहरवासियों की जिम्मेदारी है, इसके लिए निरंतर समाधान पर काम करते रहना जरूरी है। प्लास्टिक बॉटल रिसाइकल मशीन लगाकर हमने ऐसा ही कदम उठाया है, ऐसे ही और कदम उठाने की जरूरत है।

इन उद्योगों को मिला पुरस्कार

निजी स्तर पर कार्यकर्ता

अर्चना पस्तोरिया, भोपाल, हैप्पी कैंस के लिए

बोर्ड कर्मचारी

एचएस मालवीय, वैज्ञानिक
बृजेश शर्मा, वैज्ञानिक
रजश्री शुक्ला,वैज्ञानिक
डॉ. राजेन्द्र चतुर्वेदी, वैज्ञानिक
टी सूफी खान, वैज्ञानिक
सुनील व्यास, वैज्ञानिक
जीके बैरा
सतीश चौकसे,
जितेन्द्र बहादुर सिंह,
डालचंद कुशवाह